साप्ताहिक
Live not just breaTHE

दि कार्मिक पोस्ट

MPHIN/2015/63220
MP/IDC1528/22-23

Global School Of Excellence, Obedullaganj

Email- thekaarmiicpost@gmail.com

वर्ष : 11, अंक : 3 (प्रति बुधवार), इन्दौर, 20 अगस्त 2025 से 26 अगस्त 2025 पेज : 8 कीमत : 3 रुपये

जलवायु संकट व अर्थव्यवस्था- आंकड़ों की गलती से बड़ा भ्रम, फिर भी भारी नुकसान तय

जर्मनी। नेचर नामक प्रतिष्ठित पत्रिका में छपी एक अध्ययन रिपोर्ट ने दुनिया को चौंका दिया था। जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक मैक्सिमिलियन कोट्ज और उनकी टीम ने अपने शोध में दावा किया था कि अगर जलवायु परिवर्तन पर लगाम नहीं लगाई गई तो सदी के अंत तक दुनिया की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 62 फीसदी तक घट सकती है। इस रिपोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों तक में चिंता बढ़ा दी थी।

लेकिन अब अमेरिका की स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस अध्ययन पर सवाल उठाए हैं। हाल ही में जारी उनके नए विश्लेषण में पाया गया कि यह अनुमान वास्तविकता से कहीं ज्यादा था। स्टैनफोर्ड के शोधकर्ताओं की टीम ने बताया कि इस शोध में उज्बेकिस्तान के आंकड़ों की गड़बड़ी की वजह से नतीजे बिगड़े। जैसे ही उन आंकड़ों को हटाया गया, जीडीपी पर असर का अनुमान करीब तीन गुना कम होकर सामने आया जो लगभग 20 फीसदी है। अध्ययन में कहा गया है कि यह नतीजे पहले के अध्ययनों से भी मेल खाते हैं।

यह अध्ययन साल 2024 में छपने के बाद बहुत प्रभावशाली साबित हुआ। इसे विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ), अमेरिकी सरकार और कई अन्य संस्थाओं ने अपनी नीतियों में शामिल किया। कार्बन ब्रीफ के अनुसार, इस जलवायु शोध का उस साल दूसरा सबसे ज्यादा हवाला दिया गया था। अध्ययन में कहा गया है कि जब इसमें 62 फीसदी की गिरावट का दावा किया गया तो कई विशेषज्ञ चौंक गए थे। शोध पत्र में स्टैनफोर्ड के वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री सोलोमन ह्सिआंग ने कहा, ज्यादातर लोग मानते हैं कि 20 फीसदी की गिरावट भी बहुत बड़ी है। इसलिए 62 फीसदी देखकर हमें संदेह हुआ और हमने इसकी दोबारा जांच की। मूल अध्ययन के लेखक मैक्सिमिलियन कोट्ज ने भी अपनी गलती स्वीकार की है। उन्होंने माना कि आंकड़ों और मुद्रा विनिमय दरों में गड़बड़ी हुई थी। फिलहाल उन्होंने एक संशोधित संस्करण अपलोड किया है, लेकिन उसकी अभी तक समीक्षा नहीं की गई है। नेचर जर्नल ने नवंबर 2024 में ही इस पेपर पर नोट डाल दिया था और अब संभव है कि इसे वापस ले लिया जाए। शोध पत्र में जर्नल के संपादक कार्ल जीमेलिस ने कहा है कि इस पर अंतिम निर्णय जल्द लिया जाएगा। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस गलती के बावजूद जलवायु परिवर्तन से होने वाला आर्थिक नुकसान बहुत बड़ा है। अध्ययन में अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी, डेविस की प्रोफेसर फ्रांसेस मूर का कहना है कि 2100 तक अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ना बहुत बुरी स्थिति होगी और इसे रोकने की लागत कहीं अधिक होगी। इस विवाद ने एक बार फिर यह साबित किया है कि विज्ञान में सुधार की प्रक्रिया जीवित है। वैज्ञानिकों की एक टीम ने गलती पकड़ी, दूसरी टीम ने उसे स्वीकार किया और अब पूरा समुदाय सही आंकड़े सामने लाने की कोशिश कर रहा है। असल बात यह है कि चाहे नुकसान 62 फीसदी हो या 20 फीसदी, जलवायु परिवर्तन को नजरअंदाज करना दुनिया की अर्थव्यवस्था और समाज दोनों के लिए भारी पड़ेगा।

स्वतंत्रता दिवस की 79वीं दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई

भोपाल प्रदेश में स्वतंत्रता दिवस की 79वीं दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल के लाल परेड ग्राउण्ड पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में ध्वजारोहण कर भव्य परैड की सलामी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश की जनता के नाम संदेश में मध्यप्रदेश की प्रगति एवं उपलब्धियों की जानकारी भी दी। प्रदेश में पहली बार मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण जिला मुख्यालयों पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में किया गया। सभी जिला मुख्यालयों पर ध्वजारोहण, आकर्षक परेड के साथ राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित हुए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी - कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री निवास परिसर में किया ध्वजारोहण

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री निवास परिसर में ध्वजारोहण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी ली। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सचिवालय तथा निवास कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों, कर्मचारियों, सुरक्षा कर्मियों तथा निवास के समस्त कर्मयों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं और बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनकी सुरक्षा में पदस्थ अधिकारी-कर्मचारियों की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित करते हुए प्रमाण-पत्र और पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता दिवस पर शौर्य स्मारक पहुंचकर देश के वीर सपूतों की शहादत को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लास्ट पोस्ट की धुन पर शहीद स्तंभ पर पुष्प चक्र अर्पित किया। उन्होंने शौर्य स्मारक स्थित भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

देश के सतत विकास की धुरी है अक्षय ऊर्जा

पृथ्वी पर ऊर्जा के परम्परागत साधन बहुत सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं, ऐसे में खतरा मंडरा रहा है कि यदि ऊर्जा के इन पारम्परिक स्रोतों का इसी प्रकार दोहन किया जाता रहा तो इन परम्परागत स्रोतों के समाप्त होने पर गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी। यही कारण है कि पूरी दुनिया में गैर परम्परागत ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देने की जरूरत महसूस की जाने लगी और इसी कारण अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति करने के प्रयास शुरू हुए। अक्षय का अर्थ है, जिसका कभी क्षय न हो अर्थात् अक्षय ऊर्जा वास्तव में ऊर्जा का असीम और अनंत विकल्प है और आज के समय में यह किसी भी राष्ट्र के अक्षय विकास का प्रमुख स्तंभ भी है। पिछले कुछ वर्षों से पर्यावरणीय चिंताओं को देखते हुए ऐसी ऊर्जा तथा तकनीकें विकसित करने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनसे ग्लोबल वार्मिंग की विकराल होती समस्या से दुनिया को कुछ राहत मिल सके। किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने के लिए आज प्रदूषणरहित अक्षय ऊर्जा स्रोतों का समुचित उपयोग किए जाने की आवश्यकता भी है। देश में अक्षय ऊर्जा के विकास और उपयोग को लेकर जागरूकता पैदा करने के लिए ही वर्ष 2004 से हर साल 20 अगस्त को 'अक्षय ऊर्जा दिवस' भी मनाया जाता है।

आज न केवल भारत में बल्कि समूची दुनिया के समक्ष बिजली जैसी ऊर्जा की महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमित प्राकृतिक संसाधन हैं, साथ ही पर्यावरण असंतुलन और विस्थापन जैसी गंभीर चुनौतियां भी हैं। चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार इन गंभीर समस्याओं और चुनौतियों से निपटने के लिए अक्षय ऊर्जा ही एक ऐसा बेहतरीन विकल्प है, जो पर्यावरणीय समस्याओं से निपटने के साथ-साथ ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने में भी कारगर साबित होगी लेकिन अक्षय ऊर्जा की राह में भी कई चुनौतियां मुंह बाये सामने खड़ी हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन की देशभर में कई छोटी-छोटी इकाईयां हैं, जिन्हें एक ग्रिड में लाना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य है। इससे बिजली की गुणवत्ता प्रभावित होती है। भारत में अक्षय ऊर्जा के विविध स्रोतों का अपार भंडार मौजूद है लेकिन इनसे ऊर्जा उत्पादन करने वाले अधिकांश उपकरण विदेशों से आयात किए जाते हैं। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अनुसार, कुछ साल पहले सौर ऊर्जा के लिए करीब 90 प्रतिशत उपकरण विदेशों से आयात किए गए थे, जिससे बिजली उत्पादन की लागत काफी बढ़ गई। 2023-24 के आंकड़ों के अनुसार, अब भी भारत की सौर सेल और मॉड्यूल की जरूरत का अधिकांश हिस्सा, कभी-कभी 90 प्रतिशत तक, आयात से ही पूरा होता रहा है। हालांकि हाल के वर्षों में एएलएमएम नियम और पीएलआई स्कीम के कारण यह निर्भरता घट रही है। 2023-24 में चीन से सौर सेल्स का 53 प्रतिशत और मॉड्यूल्स का 63 प्रतिशत भारत में आया।

देश में ऊर्जा की मांग और आपूर्ति के बीच अंतर भी तेजी से बढ़ रहा है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के आंकड़ों के अनुसार देश में कुल स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता 450 गीगावॉट से अधिक हो चुकी है, जिसमें अब 230 गीगावॉट से अधिक अक्षय ऊर्जा से प्राप्त हो रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, बायो-पावर और छोटे हाइड्रो प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अधिक बड़ी जल विद्युत परियोजनाओं से तथा परमाणु ऊर्जा से भी अक्षय ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। कुल बिजली उत्पादन में अब अक्षय ऊर्जा का हिस्सा अब लगातार बढ़ रहा है, जो भारत को दुनिया के अग्रणी देशों में शामिल करता है। भारत में ऊर्जा खपत भी तेजी से बढ़ रही है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का अनुमान है कि वर्ष 2040 तक भारत में ऊर्जा की कुल मांग वर्तमान की तुलना में लगभग दोगुनी हो जाएगी। विशेषकर बिजली तथा ईंधन के रूप में उपभोग की जा रही ऊर्जा की मांग घरेलू एवं कृषि क्षेत्र के अलावा औद्योगिक क्षेत्रों में भी लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में ही बिजली तथा पैट्रोलियम जैसे ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का लगभग 55 प्रतिशत उपभोग किया जाता है। हम जिस बिजली से अपने घरों, दुकानों या दफ्तरों को रोशन करते हैं, जिस बिजली या पैट्रोलियम इत्यादि ऊर्जा के अन्य स्रोतों का इस्तेमाल कर खेती-बाड़ी या उद्योग-धंधों के जरिये देश को विकास के पथ पर अग्रसर किया जाता है, क्या हमने कभी सोचा है कि वह बिजली या ऊर्जा के अन्य स्रोत हमें कितनी बड़ी कीमत पर हासिल होते हैं? यह कीमत न केवल आर्थिक रूप से बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी धरती पर विद्यमान हर प्राणी पर बहुत भारी पड़ती है। भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए प्रतिदिन लगभग 18 लाख टन कोयले की खपत होती है।

भोपाल की बड़ी झील, कश्मीर की डल-लेक से कम नहीं इसे और विकसित किया जायेगा - मुख्यमंत्री

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल की बड़ी झील, कश्मीर की डल-लेक से कम नहीं है इसका और अधिक विकास किया जायेगा। यहां पर्यटन विभाग के सहयोग से शिकारे भी संचालित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि वॉटर स्पोर्ट्स सहित सभी प्रमुख खेलों में ओलम्पिक और कॉमनवेल्थ जैसी अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में देश के लिए अधिक से अधिक पदक लाने के उद्देश्य से राज्य में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में जारी हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भोपाल के बड़े तालाब के बोट क्लब से निकाली गई जल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने झंडी दिखाकर जल तिरंगा यात्रा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी संख्या में तिरंगे गुब्बारे आकाश में छोड़े। एशियाई और ओलंपिक गेम्स में उपयोग में आने वाली बोट्स में सवार वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी अनुशासन और गरिमा के साथ तिरंगा लेकर बड़े तालाब में आगे बढ़े, क्षेत्र का नभ-जल और धरा तिरंगामय हो गया। देशभक्ति, एकता और समर्पण की भावना को और सशक्त करते इस अनोखे, रोमांचक आयोजन में बड़ी संख्या में वॉटर स्पोर्ट्स खिलाड़ी, विद्यार्थी और राजधानीवासी शामिल हुए। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, प्रदेशाध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और श्री रविन्द्र यति उपस्थित थे। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पहले 14 अगस्त की शुरूआत मुख्यमंत्री निवास परिसर में निकाली गई तिरंगा यात्रा से हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री सचिवालय तथा मुख्यमंत्री निवास में पदस्थ सभी अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षा कर्मी और दीदी कैफे की दीदीयां तिरंगा लहराते हुए शामिल हईं। देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस यात्रा ने निवास परिसर को वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से गूंजायमान कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर कोलार रोड क्षेत्र में कर्म श्री संस्था द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रा आरंभ होने से पहले मदर टेरेसा स्कूल के पास उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया, भारतीय सेना के वीर सपूतों के शौर्य और पराक्रम से परिचित हुई है। हम सबके लिए यह गर्व और गौरव का विषय है। आजादी के पर्व 15 अगस्त पर देशभक्ति की भावना सभी के मन में हिलोरे ले रही है। हर घर तिरंगा-घर-घर तिरंगा और तिरंगा यात्राओं में उमड़ रहा जन सैलाब इसका प्रतीक है। पूर्व प्रोटेम स्पीकर तथा विधायक श्री रामेश्वर शर्मा द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक है। यात्रा में स्कूली बच्चों से लेकर युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों का उत्साह देखते ही बनता है। विशाल तिरंगा यात्रा ने नया कीर्तिमान बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में शुरू हुई विशाल तिरंगा यात्रा में विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल, संगठन महामंत्री श्री हितानंद शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में देश भक्ति के रंग में रंगे युवा, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं महिलाएँ उपस्थित रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय सेना के शौर्य को समर्पित हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत शौर्य स्मारक से विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ तिरंगा फहराकर किया। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय और भोपाल की दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री भगवान दास सबनानी साथ थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर अमर शहीदों और वीर पराक्रमी सैनिकों का स्मरण किया। शौर्य स्मारक से भारत माता चौक (डिपो चौराहा) तक जाने वाली तिरंगा यात्रा में दो पहिया वाहनों पर बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

संविधान और लोकतंत्र हमारे लिए सर्वोपरि - राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्र को सम्बोधन

नई दिल्ली । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संविधान और लोकतंत्र हमारे लिए सर्वोपरि है। हमारे संविधान में ऐसे चार मूल्यों का उल्लेख है जो हमारे लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाए रखने वाले चार स्तंभ हैं। ये हैं - न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता। ये हमारे सभ्यतागत सिद्धांत हैं जिन्हें हमने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पुनः जीवंत बनाया। मेरा मानना है कि इन सबके मूल में मानवीय गरिमा की भावना है। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस प्रत्येक भारतीय बड़े उत्साह के साथ मनाता है। ये ऐसे दिन हैं जो हमें विशेष रूप से हमारे गौरवान्वित भारतीय होने की याद दिलाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य समान है और सभी के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाना चाहिए। सभी की स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा तक समान पहुंच होनी चाहिए। सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। पारंपरिक व्यवस्था के कारण जो लोग वंचित थे, उन्हें सहायता की आवश्यकता थी।

स्वाधीनता के अमर बलिदानियों को कोटि-कोटि नमन

स्वदेशी की शक्ति से आत्मनिर्भरता को गति देता मध्यप्रदेश

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

79 वें

स्वतंत्रता दिवस

की प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

स्वदेशी अभियान के साथ औद्योगिक विकास

उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों से ₹32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनसे 23 लाख से अधिक रोज़गार होंगे सृजित

कमज़ोर वर्ग का उत्थान

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा, डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संबल योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन जैसी अनेक योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंदों को मिल रही सहायता

युवाओं का सर्वांगीण विकास

शिक्षा, कौशल निर्माण के साथ युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन प्रारंभ, कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान और आगामी 5 वर्षों में 2.5 लाख नौकरियां देने जैसे प्रयासों से युवा हो रहे सशक्त

आत्मनिर्भर होती महिलाएं

महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन, मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में प्रतिमाह ₹1250, एमएसएमई में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन, लखपति दीदी योजना और शासकीय सेवाओं में 35% तक महिला आरक्षण

खुशहाल और समृद्ध अन्नदाता

किसानों की आय में वृद्धि, जलवायु-अनुकूल खेती तथा फसल का उचित मूल्य निर्धारित करने के लिए मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन, कृषि संबंधित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कृषि उद्योग समागम का आयोजन, पीएम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना से आ रही है खुशहाली

प्रातः 9:00 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से लाइव जुड़ें

D18041/25

"स्वतंत्रता दिवस केवल एक पर्व नहीं, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय अस्मिता, स्वाभिमान और गौरव का प्रतीक है। यह अवसर हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, बलिदान और योगदान को स्मरण करने तथा उनके दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

-डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी | सीधा प्रसारण webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP | आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2025

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सोनल मेहता केलिए प्रतीक्षा ग्राफिक्स, 127 देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 209-बी शहनाई रेसीडेंसी-2 कनाड़िया रोड इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: डॉ. सोनल मेहता फोन : 0731-2595008 Mail.sonal12mehta@yahoo.co.in 9755040008